RAJYA SABHA

Thursday, the 8th March, 2007, 17, *Phalguna,* 1928 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

FELICITATIONS BY THE CHAIR

On The Occasion of International Women's Day

श्री सभापति: आप सभी को नमस्कार। मै माननीय महिला सदस्यों का विशेष अभिवादन करता हूं और आशा करता हूं कि यह वर्ष महिलाओं के लिए बहुत सुखी होगा। मै यह क्वेश्चन आवर भी महिलाओं को अर्पित करता हूं।

श्रीमती वृंदा कारत (**पश्चिमी बंगाल**) : सर, केवल दो मिनट लूंगी। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आपके द्वारा मै पूरे हाउस और हाउस के द्वारा तमाम देश की महिला नागारिको को शुभकामनाएं देती हूं। सर, हालांकि किसी ने मुझे कहा कि यह आपका दिन है तो मैंने उन्हे जवाब दिया कि एक दिन महिलाओं का और 364 दिन पुरुषो के इसका अर्थ यह नही होना चाहिए। लेकिन सर, जहां हम एकजुटता प्रकट कर रहे है इस अवसर पर मैं आदरणीय प्रधान मंत्री जी से यह जरुर रिक्वेस्ट करुंगी कि आज के दिन पूरे देश की महिलाऐं उम्मीद करती है कि आपने जो बहुत स्पष्ट आश्वासन दिया, जिस पर सबका विश्वास है, महिला आरक्षण बिल इसी सरकार के नेतृत्व में पारित होगा। हम आपसे यह अपील करते है कि आज के दिन आप देश की महिलाओं को यही मैसेज दीजिए कि टाइम बाउंड फ्रेमवर्क में इसे लाया जाए। हालांकि इसकी जितनी भी समस्याएं है, उनके बारे में हम सब जानते है, लेकिन सर, समस्या बहाना नही हो सकती है। A problem cannot become an excuse, Sir. Therefore, on this International Women's Day I request you to give a categorical commitment in this House that within a time-bound framework, within this session itself, the measures will be taken to bring this Bill. At least a commitment should come in this session. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Thank you. *(Interruptions)*

सुश्री मैबल रिबैलो (**झारखंड**) : सर, हम सब भी इनको एसोसिएट करते है।

प्रो. अलका क्षत्रिय (**गुजरात**) :सर, हम भी इनको एसोसिएट करते है।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश) : सर, हम भी इनको एसोसिएट करते है।

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, we are waiting for the past few years to see that the Bill is tabled. Last year also we waited. Hon. Prime Minister is in the House. I hope he will definitely give us the assurance that the Bill will be brought in this session. We know that all our brothers in this House will support this Bill. Thank you, Sir.

डा. (श्रीमती) नजमा ए हेपतुल्ला (राजस्थान) : सर, सारे देश के लोगों की तरफ से, खास तौर से महिलाओं की तरफ से मै आपको मुबारकबाद देती हूं कि आज आपने हम लोगो को इस विषय पर बोलने कि इजाजत दी जनरली आप क्वेश्चन आवर सस्पैड नही करते है, उसके लिए काफी शोर मचाना पड़ता है, मगर आज आपकी फराकदिली का मै तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं। हमारी यह भी खुशकिस्मती है कि हमारे प्रधानमंत्री जी भी यहां पर मौजूद है और प्रणव मुखर्जी साहब जो बहुत सालों तक राज्य सभा में मैम्बर रहे है उन्होंने भी देखा है कि 1996 से महिलाओं के बिल का यह मसला उठाया जा रहा है और बार-बार हर सैशन से पहले महिलाओं ने इस बात को उठाया है। मैंने चैम्बर के अन्दर इसे उठाया, चेयर से भी उठाया हमारी महिलाओं ने और बहुत सारे अच्छे पुरुषों ने भी इस बात को उठाया। उन्होंने जो सहयोग दिया उससे मै इन्कार नही करती हूं मगर सर, सच्ची बात यह है, कि आज अगर आप आईपीयू की रिपोर्ट देखें तो उसके अन्दर हिन्दुस्तान महिलाओं के रिप्रेजेटेशन में पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी नीचे गिर गया है। जब हम डेमोक्रेसी की जनतंत्र की इतनी बातें करते है तो यह कैसा लॉपसाइडिड जनतंत्र है, जहां इतनी महान महिलाएं पैदा हुई हो, श्रीमती इंदिरा गांधी जैसी महिला, जो इतने साल तक यहां प्रधान मंत्री रही, उस मुल्क में महिलाओं को रिप्रैज़ेंटेंशन नही मिलता। 73वें और 74वें अमैंडमेंट की वजह से 10 मिलियन महिलाएं इम्पावर्ड हो रही थी। मै प्रधान मंत्री जी से कहती हूं कि आपसे और आपसे पहले बहुत से लीडर हुए सुषमा जी, जब पार्लियामेंट्री एफेयर्स मिनिस्टर थी तो हमें थोड़ी उम्मीद बनी थी कि यह बिल आएगा। सुरेश जी, आप भी जरा सुन लीजिए। मगर आपसे है कि एक पुरुष होकर शायद आप महिलाओं के बारे में ज्यादा ध्यान देगे। बहुत से प्रधान मंत्रियों और सारे ही लीडर्स ने वायदे किए। मै उम्मीद करती हूं कि पिछली दफे मैंने एक शेर पढ़ा था-

"तेरे वायदे पर जिए हम, तो यह झूठ जाना,
कि खुशी से मर न जाते अगर एतबार होता।"

तो खुदा के लिए एतबार करा दीजिए मुझे मंजूर है मर जाना। मगर आप वायदे कर रहे है तो पूरा करने का वायदा करिए। धन्यवाद।

प्रो. अलका क्षत्रिय : धन्यवाद महोदय, सबसे पहले तो मैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए सब बहनों को बधाई देना चाहती हूं। आप सब लोगों को भी मैं इसलिए बधाई देती हूं कि हमें आपने बोलने का मौका दिया और आप हमारी बात शान्ति से सुन रहे है। सर, काफी सालों से महिलाओं को रिजर्वेशन देने की बात चल रही है। हमारे स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी का एक सपना था और हमारी सरकार ने पंचायतो के अंदर तो यह रिजर्वेशन दे दिया लेकिन अभी भी पार्लियामेट और असेम्बली के अन्दर देना बाकी है। हर बार हमको यह कहा जाता है बल्कि यह कहूं कि बहलाया जाता है कि अब की बार यह बिल आएगा। इसलिए मै माननीय प्रधान मंत्री जी यहां बैठे हैं, से कहना चाहूंगी कि इस सैशन में यह महिला बिल लाकर और हम लोगों को सपोर्ट करके आप सब लोग यह बिल पास करें। यही मै आप सब लोगों से आशा करती हूं। धन्यवाद।

श्रीमती सुषमा स्वराज (**मध्य प्रदेश**) : सभापति महोदय कल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए मैंने इस विषय पर काफी विस्तार से अपनी बात कही थी। मै इस उम्मीद में बैठी हुई हूं कि राष्ट्रपति के अभिभाषणं पर चर्चा के समय प्रधान मंत्री जी उस पर जवाब देंगे। इस समय तो मै केवल एक ही बात कहने के लिए खड़ी हुई हूं कि जब कोई मामला उलझ जाता है तो महापुरुष उसमें रास्ता दिखलाते है। चेयर पर बैठ कर आज आपने यह रास्ता दिखाया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है इसलिए महिलाओं की भावनाएं होंगी यह समझते हुए आपने प्रश्नकाल में बिना किसी जद्दोजहद के हम सबको यह मौका दिया कि हम अपनी बात कह दें। मै प्रधान मंत्री जी से केवल इतना कहना चाहती हूं कि जिस सहजता से आज चेयरमैंन साहब ने हम लोगो को बोलने का अवसर दिया है उसी सहजत से आप बजट के द्वितीय खण्ड में यह बिल लाकर के पारित करा दीजिए ताकि आपके दिखाए गए मार्गदर्शन का लाभ हम सबको मिल सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री उदय प्रताप सिंह (**उत्तर प्रदेश**) : सर,

श्री सभापति : आप कहां से खड़े हो गए। ....(**व्यवधान**)... बैठिए- बैठिए । ...(**व्यवधान**)... दुर्गा जी खड़ी है, ध्यान रखिए।

श्री उदय प्रताप सिंह : सर, नजमा जी ने जो शोर सुनाया उसमें मै थोड़ा संशोधन करना चाहता हूं और वह यह है कि-

"तुम्हारी तरह तुमसे कोई झूठे वायदे करता,

तुम्ही मुंसफी से कह दो कि तुम्हें एतबार होता।"

SHRIMATI N.P DURGA(Andhra Pradesh): Thank you, Sir. Today is the International Women's Day and this is an occasion to review how far we have come in our struggle for equality, discrimination and development in

this male-dominated world. Sir, the hon. Prime Minister is here in the House. I request him to introduce the Women Reservation Biil during this session itself and also I request him to encourage women as part of the policy making process. E think, so many Bills were discussed in this House and we also discussed the nuclear issue. I would like to ask the hon. Minister as to what is going to happen on this Women Reservation Bill.

"m, "$ *IR?dl *fe*W* TT <£q<!1 IcRI^vtHTifl^ft *fa $4ft* HftSdl ^fetfl «1*I^ ^"^ *H?^* fad *4$* dl-MI ^R1!! ^T?"^RT ~£*ft*3ft^nfl< **$* %<ft|„„. *\Wi,* ~~^fdM.~~fffa^^Tl

■gr£ft far Frit *nf ?Wf^Ft^ft"#m^, c^"&f*P^"^^~~*<HMiTgq~~i-3?f sft^re

t, *l« GHlfl «(f>=i4f ^, «nfqiqf^'?f"1R'^^Tcftj^, ^-dtf6^ ^fedifa^T"R'3"*T? TRVTT -w^ft far *TKcfcr Hfiw i^^^^R^ritti^n#TTR^nfa^-p^^

Wlftfllfa3tf ^^TT^in^T'tf «t»c^i^McTT^^«KT, a-#^ far^ft fT5T#?H otft «TRT "=n?f ^t * ^FffarffefR 3 3TFt 3TT3 ^TT, f?ftf^ "t ^WHT ^?ft far ^ ^T ^ ^"TH ^ fH^,

^mf *r«irai ^ ^nr "^ ^rs* 3 fa^r} # fan* ^ wifsjf ^t "|iT*f?T»?^TtTn^Tff^far

aft ^1 f*W f. ^ TT^l ^t *rr T33T3 afrr w? *ffr ^r^ %i *s^ft v**w<fi* ^ra "3 ■qf^3R#Ttft f^aabR f£$? *f* i f*tTTS 3*Vf$&* ftjT*fr?RfaH «Pt cPIW? 3ftTTTO"faT'n

#T?ft fa^fW d!3lt ^ ft^VH "5ft HHI slgd ^nTT ^ "^eft 3?T T?t %, I^"faeT ^Ft ^ft TT3T "if C*TOT ^ 3fh: -qra ^TT^rqT ^arrq; faRTft far FT *ft ^rf-?r^far^"^^t,

^ent,"flri^ Views ^tendorse^?r?lt^i wm^«i dVff ^ MlfdRi*d ^'wtfld

की बात की है, मैं आपसे निवेदन करुंगी कि महिलाओं का काम केवल पॉलिटिकल इम्पावरमेंट से नहीं होगा, हमको सोशली और इकॉनोमिकली इम्पावरमेंट चाहिए। जो इंटीटयूशनल फाइनेंस है, जो महिलाओं को hardly तीन परसेंट भी नही मिलता है, इसके बारे में हमको कई सालों से कहा जा रहा है। हमको वर्ष 2004 में कहा गया था कि पांच परसेंट इंस्टीटयूशनल फाइनेंस महिलाओं को दिया जायेगा। सर, मेरी रिक्वेस्ट है कि 30 परसेंट इंस्टीटयूशनल फाइनेंस भी महिलाओं को जाना चाहिए। धन्यवाद।

SHRIMATI S.G. INDIRA (Tamil Nadu): Thank you, Mr. Chairman, Sir. On this occasion, I must thank the hon. Chairman because he has always been very considerate towards the women members and has always been giving due consideration to the women Members in the Question Hour and in all the debates. On this occasion, I would also like to thank my leader, Dr. J. Jayalalitha, because she has already given 33 percent reservation to women in the party, and she has also given full support to the women reservation. I expect all your blessings for the women reservation. Thank you very much for this opportunity.

कुमारी निर्मला देशपांडे (नाम-निर्देशित) : सभापति महोदय, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं एक ही निवेदन सबसे करना चाहती हूं कि यह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है, इसलिए इस दिन महिला और पुरुषों के बीच समानता की स्थापना हो और समाज के सभी वर्गों में, सब वर्णों में, सब प्रकार की जितनी विषमताएं और असमानताएं हैं, वे सारी नष्ट हों देशों के बीच की भी असमानताएं नष्ट हों और यह दिन अंतर्राष्ट्रीय समता दिवस के रुप में मनाया जाए धन्यवाद।

डा. प्रभा ठाकुर (राजस्थान) :सर, भारत के संविधान में कमजोर वर्गों के विकास के लिए उनको मूल धारा से जोड़ने के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। इसी व्यवस्था को देखते हुए, क्योंकि महिलाओं को महसूस किया गया कि यह समाज का कमजोर और पिछड़ा हुआ तबका है। राजीव गांधी जी ने सोचा था कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए इन्हें राजनैतिक आरक्षण देने की जरुरत है। आज माननीय प्रधान मंत्री जी भी सदन में उपस्थित है, सदन में उपस्थित भाई भी इसको मौन समर्थन दे ही रहे हैं, इस सरकार की इच्छा-शाक्ति पर, प्रधान मंत्री जी की इच्छा-शाक्ति पर पूरे देश की महिलाओं को विश्वास है।

मैं अपील करुंगी कि एक कहावत है कि "हर सफल पुरुष के पीछे किसी स्त्री का योगदान होता है"। इसी तरह आज महिलाएं पूरे देश में पुरुषों से यह अपील करती है कि उनकी सफलता में भी वे उसी तरह भागीदार बनें। एक बात और कहना चाहूंगी कि विभिन्न नौकरियों में भी महिलाओं के

आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित हो, वह केवल मात्र एक खानापूर्ति न हो। दूसरी बात पदोन्नति में भी महिलाओं को आरक्षण दिया जाए, यह मैं आपसे मांग करती हूं।

श्रीमती जया बच्चन (**उत्तर प्रदेश**) :धन्यवाद सभापति महोदय, मै इस सदन को बताना चाहती हूं कि हमारी पार्टी महिला बिल के खिलाफ नही हैं। यह propaganda बंद करना चाहिए। महिला बिल लाया जाए, लेकिन सब वर्गों की महिलाओं को लाभ देने जैसा लाया जाए। मै एक बात कहना चाहती हूं। कि:

नारी की महिमा यदि नर से बड़ी न होती,

दस रुपए का घडा न होता, दस हजार की घडी न होती।

SHRIMATI SUPRIYA SULE (Maharashtra): Thank you, Sir, forgiving me this opportunity.

Hon. Chairman, Sir, my only objection to this is that I am very happy that we are celebrating the Women's Day, but, I think time has come where we all need to rise over the gender differences and celebrate humanity and life instead of celebrating Women's Day once a year. Thank you, Sir.

श्री सभापति : महिला सदस्यों से मैं एक अनुमति चाहता हूं कि गिल साहब भी आपके पक्ष में बोलना चाहते है। ...(**व्यवधान**)...

श्री शान्ताराम लक्ष्मण नायक (**गोवा**) : सर, मैंने नोटिस दिया है।

श्री सभापति : आपको बुलाऊंग़ा, आप चिंता न करें। ये बुजुर्ग हैं।

डा.एम.एस. गिल (**पंजाब**) : सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने आज हमें अपनी माएं, अपनी बहनें, अपनी बीवियों का दिन मनाने का, उसके प्रति खुशी मनाने का मौका दिया है ...(**व्यवधान**)... उसके लिए आज हम खड़े हुए है। ...(**व्यवधान**)...

SHRIMATI JAYA BACHCHAN: Stop being patronising. ...*(Interruptions)*...

डा. एम.एस. गिल : एक मिनट बेटियां भी गर्ल फ्रेंड भी ...(**व्यवधान**)... महोदय, मै इसमें एक ही बात कहना चाहता हूं। मुझे यह अच्छा नही लगा कि सारी महिलाएं खड़ी होकर मेजॉरिटी जो बैठी है, इनके सामने हाथ जोड़ें कि हमारे लिए यह कर दो, हमारा इंसाफ कर दो। यह बात ठीक नही है। इनका हक है, इस मामले का अंत होना चाहिए। ९५-९६ से बल्कि साठ साल से हम देख रहे हैं। मेरी समझ में सिर्फ प्रधानमंत्री जी के करने की बात नही हैं। सारी पार्टियां इकट्ठी बैठी हैं, आज

प्रेम से यहां बैठी है, ठंडक में बैठी है। मै तो यह कहूंगी कि इकट्ठे बैठो, लोकतंत्र है, आपस में विचार करके जो इनका हक है, उसके ऊपर वाजिब फैसला कर दो।

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK: Sir, I am the only marad जिसने आज के दिन नोटिस दिया है। Sir, I have officially given notide. I am the only person. बाकी सबने नही दिया है। सर, आपने मुझे सुबह सलाह दी थी कि आप नोटिस क्यों दे रहे हैं? सुबह-शाम अपनी बीवी को नमस्कार करो, वही काफी है। फिर भी, I am making three suggestions, short suggestions, Sir.

Firstly, the Domestic Violence Act, 2005 has been proved to be very effective. Ail the Protection Officers to be appointed should be women because the law says that as far as possible, they should be women. Many State Governments have not appointed women as Protecting Officers So, all officers appointed in the police stations should be women.

Secondly, Women Police Stations have not been constituted in several States as a result of which women do not come forward to file complaints. Therefore, the State Governments should be given directions to constitute Women Police Stations at all places.

Thirdly, and finally, if a police officer refuses to accept an FIR filed by a woman Member, then it should be considered as a conduct unbecoming of a police personnel and the person should be suspended immediately

श्री सभापति : प्रो. राम देव भंडारी। भंडारी जी, आप पहले कारण बता दीजिए कि आप क्यों बोल रहे हैं?

प्रो. राम देव भंडारी (**बिहार**) : माननीय सभापति जी, महिला और पुरुष दोनों मिलकर संपूर्ण होते है। सिर्फ महिलाएं बोलती रह जाएंगी तो अधूरा रह जाएगा, आधा रह जाएगा। महोदय, उन्होंने शुभकामनाएं दी हैं, मैं भी अपनी ओर से इस अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं। महोदय, यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि आज आप चार डाक टिकटों का इस अवसर पर लोकार्पण करने जा रहे है। महोदय, मैं और मेरी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल और मेरे नेता लालू प्रसाद जी महिलाओं के हक और अधिकार उन्हें दे रहे हैं, पहले भी दे चुके हैं।

अभी तो बिल पास होने की बात हो रही है। श्रीमती राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री बनी थी। अभी श्रीमती राबड़ी देवी जी बिहार विधान सभा में, विरोधी दल की नेता है। महोदय, मेरी पार्टी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं, मगर जो करोड़ों पिछड़े वर्ग की महिलाएं है, दलित महिलाएं है, माइनोरिटीज महिलाएं हैं, उनका क्या होगा? ...(**व्यवधान**)... यह आरक्षण सिर्फ कुछ ही

महिलाओं के लिए नहीं होना चाहिए । महोदय,मेरा यह कहना है कि आप उनका भी ध्यान रखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति :चलिए छोड़िए।

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, आज जो करोड़ों महिलाएं गांवों में हैं, ...(**व्यवधान**)... पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए ...(**व्यवधान**)... माइनोरिटीज महिलाओं के लिए विशेष रुप से आरक्षण देने की व्यवस्था होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बस ठीक है।

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, आप महिला बिल पास करें। आप चाहें तो उसका परसेंटेज भी बढ़ाएं ...(**व्यवधान**)... मगर पिछड़े वर्ग की महिलाओं, दलित महिलाओं को और माइनोरिटीज की महिलाओं को विशेष आरक्षण दिया जाए यही मेरा कहना है। ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश) : सर, आज का दिन बड़ा महत्वपूर्ण दिन है। ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی "اترپردیش": سر، آج کا دن بڑا مہتوپورن دن ہے...مداخلت...

श्री सभापति : इनको बोलने दीजिए।

श्री शाहिद सिद्दिकी : इस दिन को छोटा मत कीजिए, इसके महत्व को कम मत कीजिए। महिलाओं पर पूरे देश में जो अत्याचार हो रहे हैं, हमें उस विषय पर बात करनी चाहिए। जिस तरह से लड़कियां पैदा होते ही मारी जा रही हैं, इस पर मेरा एक सुझाव है कि पहले पुलिस फोर्स में बड़े पैमाने पर आरक्षण किया जाए। अगर पुलिस फोर्स में ज्यादा महिलाएं होगी तो देश में बेहतरी होगी, अच्छा होगा। ...(**व्यवधान**)...

†**شری شاہد صدیقی**: اس دن کو چھوٹا مت کیجئے،اس کے مہتو کو کم مت کیجئے ۔ مہیلائوں پر پورے دیش میں جو اتیاچار ہو رہے ہیں، ہمیں اس و شے پر بات کرنی چاہئے۔ جس طرح سے لڑکیاں پیدا ہوتے ہی ماری جارہی ہیں، اس پر میرا ایک سجھائو ہے کہ پہلے پولیس فورس میں بڑے پیمانے پر آرکشن کیا جائے۔ اگر پولیس فورن میں زیادہ مہیلائیں ہونگی تو دیش میں بہتری ہوگی، اچھا ہوگا...مداخلت

†Transliteration in Urdu Script.

श्रीमती विप्लव ठाकुर : सर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है, ठीक है, हो गया। आपका सुझाव आ गया है।

श्री शाहिद सिद्दिकी : आप क्यों नाराज हो रही हैं, मैं तो समर्थन में बोल रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

†**شری شاہد صدیقی:** آپ کیوں ناراض ہو رہی ہیں، میں تو سمرتھن میں بول رہا ہوں ...مداخلت...

श्री सभापति : वे नाराज हैं, तो आप उनको छोड़िए और मुझे देखते रहो।

श्री शाहिद सिद्दिकी : नौकरियों में और एजुकेशन इंस्टिटयूशन्स में महिलाओं के लिए रिजर्वेशन होना चाहिए। इस दिन की बहस को लोग नॉन सीरियस बना देते है जबकि यह बहुत सीरियस मामला है। इसको केवल आरक्षण तक ही सीमित न रखा जाए। महिलाओं के ऊपर एक पूरी बहस होनी चाहिए। जब से मै इस सदन में आया हूं तब से महिलाओं पर बहस नही हुई है। ...(**व्यवधान**)... सिर्फ आरक्षण बिल पर बहस होती है और आरक्षण बिल राजनैतिक बन जाता है, इसलिए इस पर बहस होनी चाहिए कि कैसे महिलाओं को उनका अधिकार मिले।

†**شری شاہد صدیقی:** نوکریوں میں اور ایجوکیشنل انسٹیوشنس میں مہیلائوں کے لئے ریزرویشن ہونا چاہئے۔ اس دن کی بحث کو لوگ نان سیریس بنا دیتے ہیں جب کہ یہ بہت سیریس معاملہ ہے۔ اس کو صرف آرکشن تک ہی محدود نہ رکھا جائے۔ مہیلائوں کے اوپر ایک پوری بحث ہونی چاہئے۔ جب سے میں اس سدن میں آیا ہوں، تب سے مہیلائوں پر بحث نہیں ہوئی...مداخلت... صرف آرکشن بل پر بحث ہونی چاہئے کہ کیسے مہیلائوں کو ان کا ادھیکار ملے۔

श्री सभापति :देखिए, आज बहस हुई है। ...(**व्यवधान**)... मेरी सुन लीजिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जा रहा है।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Hon. Chairman, Sir, I fully support the views expressed by the hon. Members in this august House because they deserve 50 per cent reservation. Fifty per cent reservation they deserve. Let us be frank about it. That is number one. Number two, to resolve this issue.. *(Interruptions)*... I am prepared to sacrifice. But you should also be prepared to sacrifice. *(Interruptions)*... Sir, my request to the hon. Prime Minister is that the hon. Prime Minister may call a meeting

†Transliteration in Urdu Script.

of the leaders of all national political parties and try to resolve this issue. That is the only solution which will pave the way for providing reservation for women. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Question Hour. Question No. 141. *(Interruptions)...*

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, please ask the Prime Minister to give a Statement on all these things.

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, on the occasion of International Women's Day, I greet all the women of our country and reaffirm our Government's commitment to work steadfastly for the political, social and economic empowerment of our women.

As far as the issue of reservation in legislatures is concerned, this is a commitment which the UPA coalition has endorsed through its Common Minimum Programme. I have been working quite hard to build a broad-based consensus on this issue. Some months ago I had nearly succeded, but at the last minute some problems arose and, therefore, we could not bring that Bill in the last session of Parliament. I wish to assure you and, through you, Sir, to all the hon. Members that I remain committed and our Government remains committed to work towards a broad-based consensus and that we will bring forward a Bill to this effect as soon as possible. Thank you.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Meeting of Indo-Pak Foreign Ministers

*141. SHRIMATI SHOBHANA BHARTIA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether India and Pakistan's Foreign Ministers met in Islamabad on the 13th January, 2007 and also at New Delhi and discussed a number of issues and signed a number of agreements;

(b) if so, the issues that were discussed;

(c) the number of agreements that have been signed;